D.El.Ed 4th Sem — 15 May 2020, Friday

शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन
-Edu-08

विविध पाठ्य सहगामी क्रियाएँ

→ खेल
→ शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
→ राष्ट्रीय पर्व।
→ शैक्षिक भ्रमण।
→ बागवानी।
→ संगीत समारोह।

→ किसी भी विद्यालय में निम्नलिखित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन किया जाता है।

(1) दैनिक प्रार्थना सभा।
→ सभी प्रार्थना की मुद्रा अपनाएँ।
→ प्रार्थना सभा में पंक्ति बद्ध रहना।
→ सभी छात्र प्रार्थना सभा में उपस्थित हो।
→ प्रतिदिन समाचार वाचन हो।
→ मुख्य सूचनाएँ छात्रों को वहीं से देना।
→ अन्तिम कार्यक्रम राष्ट्रगान हो।

(2) खेलकूद सम्बन्धी क्रियाएँ — खिलाड़ियों का निर्णय निष्पक्ष हो।
→ सभी छात्र समान रूप से भाग लें।
→ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, प्रेम, सहयोग आदि गुण विकसित किए जाये।

(3) शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम →
→ कवि दरबार।
→ निबन्ध लेखन।
→ अन्त्याक्षरी।
→ समूहगान।
→ लोकगीत, लोकनृत्य, विषयवादविवाद।

(4) शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम से लाभ
→ छात्रों की अभिव्यक्ति का विकास।
→ दब्बूपन की आदत समाप्त।
→ दूसरो के विचारो को सुनकर ग्रहण करने की क्षमता।
→ अपनी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सम्मान देना।
→ समूह में बोलना व व्यवहार करना सीखना।

शैक्षिक/सांस्कृतिक, क्रियाकलाप के आयोजन में निम्नलिखित बातों को ध्यान देना आवश्यक है।

⇒ छात्रों को पूरा स्वतन्त्रता होना।

⇒ भाषण / वाद-विवाद प्रतियोगिता, कविता एवं निबंध।

⇒ निर्णय पक्षपात पूर्ण न हो।

⇒ क्रियाओं का पूर्व अभ्यास आवश्यक।

(5) राष्ट्रीय पर्व → तीन

15 अगस्त।
26 जनवरी।
02 अक्टूबर।

(6) शैक्षिक भ्रमण एवं पिकनिक

(7) बागवानी → छायादार पेड़ लगाना।
→ सुगन्धित फूलों वाली लताएँ लगाना।

(8) विद्यालय प्रकाशन → उत्पादन की भावना का विकास।
→ छात्रों को लेखन के लिए प्रोत्साहित करना।
→ पत्रिका में विविधता होना।
→ पत्रिका के सम्पादक मण्डल में अधिकतर शिक्षकों का होना।

(9) समाज कल्याण के लिए की गई क्रियाएँ → साक्षरता कार्यक्रम, श्रमदान, रेडक्रॉस, स्काउटिंग आदि।

(9) अभिरुचि एवं प्रदर्शन विकास → विशेष अभिरुचि का ज्ञान।
→ अभिरुचियों की समय तालिका द्वारा नियन्त्रित करना।

(10) छात्र परिषद की स्थापना — (1) सामान्य चारित्रिक भावना का विकास।
(2) अच्छे प्रदर्शन के लिए उचित प्रशंसा
(3) छात्रों का मार्गदर्शन करवाना।
(4) आत्म-नियन्त्रण करना सीखना।

(11) विषय सम्बन्धी समिति →
⇒ छात्रों के ज्ञान में वृद्धि।
⇒ छात्रों की नियुक्ति पदाधिकारियों के रूप में

(12) सत्रांत समारोह → छात्रों को पुरस्कृत करना।
⇒ समारोह में अभिभावक व जनसामान्य लोगों को आमन्त्रित करना।

End